tion of houses and that the beneficiaries should be involved in the construction right from the very beginning

ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रकाशित पत्रिकायें

2109. **श्री प्रमोद महाजन :**

श्री जगदीश प्रसाद माथुर :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ग्रामीण विकास विभाग कुल कितनी पत्रिकाएं प्रकाशित करता है;

(ख) पत्रिकाओं की हिन्दी और अंग्रेजी में अलग-अलग कितनी-कितनी प्रतियां मुद्रित करायी जाती हैं; और

(ग) इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अंग्रेजी पत्रिकाओं के पाठक काफी कम हैं; सभी पत्रिकाओं को हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित कराने की योजना का ब्यौरा क्या है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जी० वेंकटस्वामी) : (क) ग्रामीण विकास मंत्रालय केवल चार पत्रिकायें—कुरुक्षेत्र (अंग्रेजी और हिन्दी), ग्रामीण विकास न्यूजलेटर (अंग्रेजी और हिन्दी) प्रकाशित करता है।

(ख) हिन्दी में कुरुक्षेत्र और ग्रामीण विकास न्यूजलेटर की क्रमश: 6475 तथा 10,500 प्रतियां मुद्रित कराई जाती हैं जबकि अंग्रेजी में कुरुक्षेत्र और ग्रामीण विकास न्यूजलेटर की क्रमश: 8725 तथा 9000 प्रतियां मुद्रित कराई जाती हैं।

(ग) ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा अंग्रेजी में प्रकाशित पत्रिकायें हिन्दी में भी साथ-साथ प्रकाशित की जाती हैं। इन पत्रिकाओं को अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करने की किसी योजना पर विचार नहीं किया जा रहा है।

वार्षिक प्रतिवेदनों की विषय-वस्तु का मूल्यांकन

@2109. **श्री शिवप्रसाद चमपुरिया :** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार के पास सभी वैज्ञानिक विभागों के हिन्दी में प्रकाशित वार्षिक प्रतिवेदनों की विषय-वस्तु का मूल्यांकन करने की कोई व्यवस्था है;

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि नहीं, तो क्या इस कार्य को किसी संस्थान को सौंपे जाने के लिये कोई कदम उठाये गये हैं ताकि हिन्दी में प्रकाशित प्रतिवेदनों की विषय-वस्तु की समीक्षा की जा सके और उनमें एकरूपता लायी जा सके ;

(घ) क्या वैज्ञानिक विभागों के हिन्दी में प्रकाशित प्रतिवेदनों के प्रस्तुतिकरण की वैज्ञानिकों से समीक्षा करायी जाती है और तदनुसार जिम्मेदारी निर्धारित की जाती है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती मारग्रेट आल्वा) : (क) और (ख) सभी वैज्ञानिक विभाग यह सुनिश्चित करते हैं कि उनकी वार्षिक रिपोर्टों के अंग्रेजी और हिन्दी पाठों में दी गई सामग्री मूल रूप से एक सी हो ।

सामग्री का अंग्रेजी से हिन्दी में रूपांतरण सम्बद्ध हिन्दी अनुभागों में कार्यरत कर्मचारियों द्वारा विभागों के वैज्ञानिक अधिकारियों से विचार-विमर्श करते हुए एवं वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दावली आयोग (मानव संसाधन विकास

@पूर्वत: अतारांकित प्रश्न 972, 6 मई 1992 से स्थानांतरित ।